अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु विचार दर्शन–80

प्र. 1 किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 12

(क) वे दो क्या हैं जो अभिलषणीय हैं?

(ख) आचार्य भिक्षु के किस घोष ने संगठन को सुदृढ़ बना दिया?

(ग) सामाजिक जीवन के आधार स्तम्भ क्या हैं?

(घ) समाज में दीन-वर्ग की सृष्टि क्यों हुई?

(ड़) हिंसा और अहिंसा का मूल स्त्रोत क्या है?

(च) प्रवृत्ति के श्रोत कौन-कौन से हैं?

(छ) अभयदान क्या है?

(ज) संगठन का महत्त्व कब है?

(झ) अधिकार के लिए प्रयत्न न हो, वह हो कर्त्तव्य के लिए–किसने कहा?

(ञ) आचार्य भिक्षु की श्रद्धा किस बुद्धि से जुड़ी हुई थी?

(ट) जर्मन विद्वान अलबर्ट स्वीजर के अनुसार भगवान महावीर की अहिंसा किसकी उपज है?

(ठ) अन्यायवादी कौन है?

(ड) गणी का मुख्य कार्य क्या है?

(ढ) मन का समाधान पाने की महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया क्या है?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

(क) माता-पिता की सेवा का लौकिक और लोकोत्तर रूप क्या है?

(ख) लोहे की बेड़ी व सोने की बेड़ी किसे कहा गया है? इनमें से कौन सी बेड़ी मोक्ष में सहायक है?

(ग) धर्म क्यों अलौकिक है?

(घ) कौन सी बुद्धि सम्यक् है? इससे संबंधित आचार्य भिक्षु का दोहा लिखें।

(ड़) राज्य और धर्म का मूलमंत्र क्या है? ये जहां होंगे वहां क्या होगा?

(च) तेरापंथ कब तक चलेगा? इसके उत्तर में आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 28

(क) आचार्य भिक्षु व्यवहार के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग को बहुत महत्त्व देते थे, उदाहरण सहित लिखें।

(ख) जीवन की तीन कसौटियां कौन सी हैं, आत्मविकास के संदर्भ में बतायें।

(ग) एकेन्द्रिय को मारकर पंचेन्द्रिय का पोषण करने में धर्म नहीं है, कैसे?

(घ) मिश्र धर्म का विश्लेषण करें।

(ड़) आचार्य भिक्षु ने वर्तमान साधु-समाज की आचार-शिथिलता का वर्णन किसमें किया और क्या किया, जिनके परिणामस्वरूप तेरापंथ का अभ्युदय हुआ।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) आचार्य भिक्षु द्वारा दिये गये प्रसंगों के आधार पर स्पष्ट करें कि जीव-रक्षा का प्रश्न दूसरे जीवों के हितों का विरोधी है।

(ख) महाव्रतों की युगपत् प्राप्ति को आचार्यप्रवर ने संवादात्मक शैली में कैसे समझाया–विस्तार से लिखें?

(ग) दोष परिमार्जन के विषय में गांधीजी एवं आचार्य भिक्षु के विचारों को स्पष्ट करते हुए संघ व्यवस्था में दोष-परिमार्जन नीति पर सारगर्भित लेख लिखें।

भिक्षु वाणी–20

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) गुर भगता.....तिण ठाम।।

(ख) जीव.....म हार।।

(ग) छ काय.....मिलियो आय।।

(घ) कांदा ने.....लागे पास।।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें– 6

(क) समचें दान.....भेल सभेली।।

(ख) जो थारे.....म कूको।।

(ग) पाप अठारें.....देवे बाल।।

(घ) खाए पीए.....कोतला छूटा।।

प्र. 7 निम्न विषयों से संबंधित कोई दो पद्य लिखें– 6

(क) धर्म।

(ख) अज्ञानी।

(ग) दुष्कर साधना।

(घ) उपदेष्टा।